

**University of Rajasthan
Jaipur**

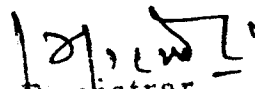
SYLLABUS

M.A. POLITICAL SCIENCE

(Annual Scheme)

Previous Examination 2019

Final Examination 2020


Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

1A

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा
M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION - 2019

प्रश्न-पत्रों की रूपरेखा

प्रत्येक प्रश्न-पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न-पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अंको का होगा। इस खण्ड में दो अंकों के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थी को अधिकतम 20-25 शब्दों में अपेक्षित होगा।

द्वितीय खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में 05 अंकों के 04 अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक का उत्तर 150 शब्दों में अपेक्षित होगा।

तृतीय खण्ड 60 अंकों का होगा। इस खण्ड में तीन भाग होंगे। जिनमें प्रत्येक में 20 अंको के दो निबंधात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा।

General Scheme of Question Papers

Each question paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each question paper shall consist of three parts. Part I shall carry 20 marks and shall consist of 10 compulsory questions of 2 marks each to be answered in 20-25 words each.

Part II shall carry 20 marks and shall consist of 4 compulsory questions of 5 marks each to be answered in 150 words each.

Part III of the question paper shall carry 60 marks. This part shall be divided into 3 sections each comprising of 2 essay-type questions of 20 marks each. Candidates will be required to attempt one question from each section (3 questions in all, one from each section)

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

अग्रांकित चार अनिवार्य प्रश्न-पत्र होंगे

- I पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन
- II भारतीय राजनीतिक चिन्तन
- III अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
- IV लोक प्रशासन के सिद्धान्त एवं व्यवहार

There shall be following four compulsory papers:

- I Western Political Thought
- II Indian Political Thought
- III International Politics
- IV Theory and Practice of Public Administration

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम. ए. उत्तराद्ध परीक्षा
अनिवार्य प्रश्न-पत्र

- (V) आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त एवं तुलनात्मक राजनीति
- (VI) भारतीय शासन और राजनीति
- (VII) अनुसंधान प्रविधि

वैकल्पिक प्रश्न-पत्र

VIII व IX प्रश्न-पत्र हेतु अग्रांकित प्रश्न-पत्रों में से किन्हीं दो प्रश्न-पत्रों का चयन

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
2. संविदावादी
3. उदारवादी
4. समाजवादी चिन्तन
5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन
6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
7. गाँधीय राजनीतिक चिन्तन
8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि
9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार
10. संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन एवं पाकिस्तान की विदेश नीतियाँ
11. भारत में मानवाधिकार
12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
13. दक्षिण एशिया में शासन व राजनीति
14. भारत में लोक प्रशासन
15. भारत में जिला प्रशासन: पंचायती राज के विशिष्ट संदर्भ में
16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति
17. भारत में राज्य-राजनीति
18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति
19. राजनीतिक समाजशास्त्र
20. महिला, शासन एवं राजनीति

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

M. A. Final Examination
Compulsory Papers

- (V) **Modern Political Theory and Comparative Politics**
- (VI) **Indian Government Politics**
- (VII) **Research Methodology**

For Selection of VIII and IX Paper shall be selected from the following list of Papers

1. **Greek Political Thought**
2. **Contractualists**
3. **Liberals**
4. **Socialist Thought**
5. **Ancient Indian Political Thought**
6. **Modern Indian Political Thought**
7. **Gandhian Political Thought**
8. **Public International Law**
9. **Theory & Practice of Diplomacy**
10. **Foreign Policies of U.S.A., India, China and Pakistan**
11. **Human Rights in India**
12. **International Organisation**
13. **Government and Politics of South Asia**
14. **Public Administration in India**
15. **District Administration in India with Special Reference to Panchayati Raj**
16. **Comparative Government & Politics in Countries of the Third World**
17. **State Politics in India**
18. **Electoral Politics in India**
19. **Political Sociology**
20. **Women, Governance and Politics**

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा
M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION

प्रश्न -पत्र प्रथम - पाश्चात्य राजनीति चिन्तन
खण्ड-क

जीवन, राज्य व राजनीति के संबंध में यूनानी दृष्टिकोण, सुकरात, प्लेटो व अरस्तु, मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तन: संत अगस्टाइन, थॉमस एक्विनास,

खण्ड - ख

पुनर्जागरण: मेकियावली, संविदावादी: हॉब्स, लॉक व रूसो, उपयोगितावादी, बेंथम व जॉन स्टुअर्ट मिल:

खण्ड -ग

प्रत्ययवादी: हीगल, ग्रीन, समाजवादी: कार्ल मार्क्स एवं लेनिन, समकालीन उदारवादी: जॉन रॉल्स, सैबर्ट नोजिक

PAPER I - WESTERN POLITICAL THOUGHT

Section A

Greek View of Life, State and Politics, Socrates, Plato, Aristotle. Medieval Political Thought : Saint Augustine, Thomas Aquinas.

Section B

Renaissance : Machiavelli, Contractualists : Hobbes, Locke & Rousseau, Utilitarians : Bentham and J.S. Mill.

Section C

Idealists: Hegel and Green, Socialists: Karl Marx, Contemporary Liberals: John Rawls, Robert Nozick.

Recommended Books

R.N. Berki, The History of Political thought: A Short Introduction, Every Man's University Library, 1977.

J. Coleman, A History of Political Thought; From Ancient Greece to Early Christianity, Wiley, 2000. V.R Metha:

Hegel and the Modern State

G.H. Sabine, A History of Political Theory, IBH, 1973.

Q. Skinner, The Foundations of Modern Political Thought, Volumes 2, Cambridge University Press, reprint, 2004.

Sir. Ernest Barker, The Political Thought of Plato and Aristotle, New York, Dover

Publications, 1969

J. W. Allen, A History of Political Thought in the Sixteenth Century, Methuen: London

H. Butterfield, The Statecraft of Machiavelli, New York, Collier, 1967.

G. Catlin, A History of Political Philosophers, London, George Allen and Unwin, 1950.

R.G. Gettle, History of Political Thought, New York, Novell & Co, 1924.

S. Mukherjee & S. Ramaswamy, A History of Political Thought : Plato to Marx, New Delhi, P.H.I Learning Pvt Ltd, 2011.

जे.पी. सूद: पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

नरेश दाधीच: जॉन रॉल्स के न्याय का सिद्धान्त

प्रभुदत्त शर्मा: पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

हरिदत्त वेदालंकार: पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास

माइकल बी.फोस्टर: राजनीतिक चिंतन के आचार्य, हिंदी माध्यम कार्यन्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

जॉर्ज एच. सेबाइन: राजनीतिक दर्शन का इतिहास, एस.चांद पब्लिकेशन दिल्ली, 1982

4

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्न-पत्र द्वितीय – भारतीय राजनीतिक चिन्तन

खण्ड –क

मनु, वाल्मीकि, व्यास, कौटिल्य,

खण्ड –ख

राजाराम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती, विवेकानन्द, गोखले व तिलक

खण्ड- ग

मोहनदास कर्मचन्द गांधी, एम.एन. रॉय व जवाहरलाल नेहरू, भीमराव अम्बेडकर, जयप्रकाश नारायण एवं दीन दयाल उपाध्याय

PAPER II - INDIAN POLITICAL THOUGHT

Section A

Manu, Valmiki, Vyas, Kautilya.

Section B

Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati, Vivekananda, Gokhale and Tilak.

Section C

M. K. Gandhi, M.N. Roy, Jawahar Lal Nehru, B.R. Ambedkar, Jay Prakash Narayan & Deen Dayal Upadhyaya

Recommended Books

D.D. Kosambi, Culture and Civilizations in Ancient India, Vikas, 1980

V.P. Verma, Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations, Delhi, Motilal Banarsidass, 1974

U.N. Ghoshal, A History of Indian Political Ideas, London, Oxford University Press, 1959.

K.P. Jayaswal, Hindu Polity, Calcutta, Butterworth, 1924.

Jha Rakesh Kumar, Religion, Dharma, and Polity, Concept Publication Ltd. New Delhi 2012

Arvind, Sharma, Classical Hindu Thought: An Introduction Oxford, 2000

V.P. Varma, Modern Indian Political Thought, Laxmi Narain Agarwal, Agra

मधुकर श्याम चतुर्वेदी, प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस, जयपुर

रामशरण शर्मा: प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, 2010

राकेश कुमार झा व महेन्द्र शर्मा, प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन में प्रशासनिक नियन्त्रण का स्वरूप, रितु पब्लिकेशन जयपुर 2006

मंजु शर्मा, प्राचीन भारत में राजनय(एक तुलनात्मक अध्ययन) आर.बी.एस पब्लिशर्स जयपुर 2007

भारतीय राजशास्त्र प्रणेता, श्याम लाल पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लखनऊ

प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ, परमात्माशरण, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

5

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

प्रश्न-पत्र तृतीय – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

खण्ड-क

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं अध्ययन के उपागम: आदर्शवादी, यथार्थवादी, व्यवस्था, निर्णय-निर्माण एवं खेल सिद्धान्त

राष्ट्रीय शक्ति के तत्व एवं उद्विकास

खण्ड -ख

राष्ट्रीय हित एवं राष्ट्रीय नीति: राजनय, प्रचार एवं राजनैतिक युद्ध, राष्ट्रीय नीति के आर्थिक साधन: साम्राज्यवाद एवं नव-साम्राज्यवाद, युद्ध: युद्धों की प्रकृति, कारण एवं प्रकार, वैश्विक आतंकवाद: राष्ट्रीय शक्ति की सीमाएं: शक्ति संतुलन, सामुहिक सुरक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण निपटारा, अन्तर्राष्ट्रीय विधि, नि: शस्त्रीकरण: संयुक्त राष्ट्र संघ: लक्ष्य, उद्देश्य, संरचना एवं भूमिका, संरचनात्मक सुधारों का प्रश्न

खण्ड-ग

शीत युद्ध का अंत, यूरोप का पुनर्गठन, वैश्वीकरण, क्षेत्रीय संगठन: सार्क एवं आसियान, ब्रिक्स, इबसा, अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका: भारत एवं उसके पड़ोसी, गुट निरपेक्षता एवं उसके बदलते प्रतिमान, समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ

PAPER III - INTERNATIONAL POLITICS

Section A

Theories and Approaches to the study of International Politics Idealist, Realist, Systems, Decision-Making, Game Theory and Feminist Perspective, Concept of National Power, Elements and Evolution of National Power.

Section B

National Interest and National Policy: Diplomacy, Propaganda and Political Warfare, Economic Instruments of National Policy, Imperialism and Neo-Imperialism. War : Nature, Causes and Types of Wars, Global Terrorism.

Limitations of National Power, Balance of Power, Collective Security, Pacific Settlements of International Disputes, International Law, Disarmament.

United Nations: Aims, Objectives, Structure and Role, Issue of Restructuring.

Section C

End of Cold War, Reorganization of Europe, Globalization, Regional Organization especially SAARC, ASEAN, BRICS, IBSA, India's Role in International Affairs, India and her Neighbours, Non-Alignment and its changing patterns. Major issues and trends in Contemporary International Politics.

Recommended Books:

1. Waltz, Kenneth N., 'Laws and Theories', in *Theory of International Politics*, (New York: Random House, 1979).
2. Waltz, Kenneth N., *Man, the State and War: A Theoretical Analysis*, New York, Columbia University Press, 1954, pp. 1-15, 224-238.
3. Singer, David J., 'The Level-of-Analysis Problem in International Relations', *World Politics*, 14(1), 1961, pp. 77-92.
4. Wight, Martin, 'Why is there no International Theory' in James Der Derian (ed.), *International Theory: Critical Investigations*, (New York: New York University Press, 1995).
5. Kaplan, Morton A., 'Problems of theory building and theory confirmation in International Politics', *World*

6

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

- Politics*, 14(1), October, 1961, pp. 6-24.
6. Rosenau, James N., 'Thinking Theory Thoroughly' as reproduced in Paul R. Viotti and Mark V. Kauppi, *International Relations Theory* (Longman, 2012).
 7. Hollis, Martin and Steve Smith, *Explaining and Understanding International Relations*, (New York: Oxford University Press, 1990).
 8. Vincent, John R., 'The Hobbesian Tradition in Twentieth Century International Thought', *Millennium: Journal of International Studies*, 10(2), 1981, pp. 91-101.
 9. Hurrell, Andrew, 'Kant and the Kantian Paradigm in International Relations', *Review of International Studies*, 16 (July 1990), pp. 183-205.
 10. Waltz, Kenneth N., 'Realist Thought and Neorealist Theory', *Journal of International Affairs*, 44(1): pp. 21-37 at <http://www.irchina.org/waltz/waltz1990.pdf>.
 11. Waltz, Kenneth N., "Political Structures", in Waltz, Kenneth N., *Theory of International Politics*, (New York: Random House, 1979).
 12. Milner, Helen, 'The Assumption of Anarchy in International Relations Theory: A Critique', *Review of International Studies*, 17(1), January 1991, pp. 67-85.
 13. Jean Bethke Elshtain, "International Politics and Political Theory", in Booth and Smith, eds., *International Relations Theory Today*, pp. 263-278.
 14. यू.आर.घई-के.के.घई अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत तथा व्यवहार, न्यू पब्लिकेशन कम्पनी जालंधर
 15. वी.एन.खन्ना-लिपाक्षी अरोड़ा भारत की विदेश नीति, विकास पब्लिकेशन हाऊस नोएडा
 16. तपन बिस्वाल: अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मेक्सिमलन, दिल्ली
 17. पुष्पेश पंत: अंतर्राष्ट्रीय संबंध

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्न-पत्र चतुर्थ- लोक प्रशासन के सिद्धान्त एवं व्यवहार

खण्ड-क

लोक प्रशासन: अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति एवं अध्ययन की पद्धतियाँ, निजी एवं लोक प्रशासन, वेश्ठीकरण का लोक प्रशासन पर प्रभाव, लोक-निजी भागीदारी

संगठन सिद्धान्त एवं उपागम: मनोवैज्ञानिक उपागम, मानवीय संबंध उपागम, प्रशासनिक नेतृत्व, निर्णय-निर्माण का विज्ञान

संगठन के सिद्धान्त: मुख्य कार्यपालिका और उसके कार्य, लाइन और स्टाफ, पदानुक्रम, नियंत्रण का क्षेत्र, प्रत्यायोजन एवं विकेन्द्रीकरण, संचार, समन्वय और पर्यवेक्षण

खण्ड-ख

लोक उद्यमों के सांगठनिक प्रारूप: विभाग, निगम एवं कम्पनी, लोक उद्यमों की समस्याएं, पी पी पी मॉडल (सार्वजनिक निजी सहभागिता)

खण्ड-ग

वित्तीय प्रशासन: बजट का निर्माण, अनुमोदन एवं क्रियान्विति, वित्त पर विधायी नियंत्रण, लोक लेखा समिति एवं प्राक्कलन समिति,

प्रशासन पर विधायी एवं न्यायिक नियंत्रण, सूचना का अधिकार, लोकपाल एवं लोकायुक्त, ई-गवर्नेन्स प्रशासनिक सुधार

PAPER-IV- THEORY AND PRACTICE OF PUBLIC ADMINISTRATION

Section A

Public Administration: Meaning, Scope, Nature and Methods of Study; Private and Public Administration; Impact of Globalization on Public Administration; Public-Private Partnership.

Theories and Approaches of Organizations: Psychological Approach, Human Relations Approach, Administrative Leadership; Science of Decision Making.

Section B

Principles of Organizations: Chief Executive and its Functions, Line and staff, Hierarchy, Span of Control, Delegation and Decentralization, Communication, Coordination and Supervision, Organizational Patterns of Public Enterprises: Department, Corporation and Company; Problems of Public Enterprises, PPP (Public Private Partnership).

Section C

Financial Administration: Formulation, Approval and Execution of Budget, Parliamentary Control over Finance, Public Accounts Committee and Public Estimates Committee.

Legislative and Judicial Control over Administration, Right to Information, Lok Pal and Lokayukta, E- governance, Administrative Reforms.

8

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Recommended Books

- Henry Nicholas, *Public Administration and Public Affairs*, Prentice Hall, New Jersey, 2005.
- Osborne, David and Gaebler, Ted., *Reinventing Government: How the Entrepreneurial Spirit is Transforming the Public Sector*, Prentice Hall of India, New Delhi, 1992.
- Frederickson George, *New Public Administration*, Alabama, University of Alabama Press, 1990.
- Heady Farrel, *Public Administration: A Comparative Perspective*, Nareel Dekker, 2002.
- A. Avasthi and S.R. Maheswari, *Public Administration*, Agra, Lakshmi Naran Aggarwal, 1996
- M. Battacharya, *Public Administration: Structure, Process and Behavior*, Calcutta, The World Press, 1991.
- D. Waldo, *Ideas and Issues in Public Administration*, New York, McGraw Hill, 1953.
- L.D. White, *Introduction to the Study of Public Administration*, New York, Macmillan, 1955.
- M.P Sharma and Sadana "Theory and Practice of Public Administration."
- Guy Peters B and Pierre Jon(Eds) *Handbook of Public Administration*, Sage, London, 2005.
- Spicer Michael W. *Public Administration and the State: A Postmodern Perspective*, Alabama Press, Tuscaloosa, 2001.
- Hyden Goran Court, Julius, Mease, Keneth, *Making Sense of Governance Viva: New Delhi*, 2010.
- अवस्थी व अवस्थी : लोक प्रशासन के सिद्धान्त व व्यवहार
बी.एल फडिया, लोक प्रशासन: सिद्धान्त एवं व्यवहार
पी.डी.शर्मा, हरिश चन्द्र शर्मा, लोक प्रशासन सिद्धान्त व व्यवहार
एम.पी.शर्मा, बी.एल.सडाना, लोक प्रशासन सिद्धान्त व व्यवहार

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम. ए. उत्तराद्ध परीक्षा — 2020
अनिवार्य प्रश्न-पत्र — 2020

- (V) आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त एवं तुलनात्मक राजनीति
- (VI) भारतीय शासन और राजनीति
- (VII) अनुसंधान प्रविधि

वैकल्पिक प्रश्न-पत्र

VIII & IX प्रश्न-पत्र हेतु अग्रांकित प्रश्न-पत्रों में से किन्हीं दो प्रश्न-पत्रों का चयन

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
2. संविदावादी
3. उदारवादी
4. समाजवादी चिन्तन
5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन
6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
7. गाँधीय राजनीतिक चिन्तन
8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि
9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार
10. संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन एवं पाकिस्तान की विदेश नीतियाँ
11. भारत में मानवाधिकार
12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
13. दक्षिण एशिया में शासन व राजनीति
14. भारत में लोक प्रशासन
15. भारत में जिला प्रशासन: पंचायती राज के विशिष्ट संदर्भ में
16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति
17. भारत में राज्य-राजनीति
18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति
19. राजनीतिक समाजशास्त्र
20. महिला, शासन एवं राजनीति

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

M. A. Final Examination
Compulsory Papers

- (V) Modern Political Theory and Comparative Politics
- (VI) Indian Government Politics
- (VII) Research Methodology

For Selection of VIII & IX Paper shall be selected from the following list of Papers

1. Greek Political Thought
2. Contractualists
3. Liberals
4. Socialist Thought
5. Ancient Indian Political Thought
6. Modern Indian Political Thought
7. Gandhian Political Thought
8. Public International Law
9. Theory & Practice of Diplomacy
10. Foreign Policies of U.S.A., India, China and Pakistan
11. Human Rights in India
12. International Organisation
13. Government and Politics of South Asia
14. Public Administration in India
15. District Administration in India with Special Reference to Panchayati Raj
16. Comparative Government & Politics in Countries of the Third World
17. State Politics in India
18. Electoral Politics in India
19. Political Sociology
20. Women, Governance and Politics


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम .ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा
M.A. FINAL EXAMINATION

प्रश्न-पत्रों की रूपरेखा

प्रत्येक प्रश्न-पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न-पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

प्रत्येक प्रश्न-पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अंको का होगा। इस खण्ड में दो अंकों के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थी को अधिकतम 20-25 शब्दों में अपेक्षित होगा।

द्वितीय खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में 05 अंकों के 04 अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक का उत्तर 150 शब्दों में अपेक्षित होगा।

तृतीय खण्ड 60 अंकों का होगा। इस खण्ड में तीन भाग होंगे। जिनमें प्रत्येक में 20 अंको के दो निबंधात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा।

General Scheme of Question Papers

Each question paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each question paper shall consist of three parts. Part I shall carry 20 marks and shall consist of 10 compulsory questions of 2 marks each to be answered in 20-25 words each.

Part II shall carry 20 marks and shall consist of 4 compulsory questions of 5 marks each to be answered in 150 words each.

Part III of the question paper shall carry 60 marks. This part shall be divided into 3 sections each comprising of 2 essay-type questions of 20 marks each. Candidates will be required to attempt one question from each section (3 questions in all, one from each section)

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

**एम. ए. उत्तराद्ध परीक्षा
अनिवार्य प्रश्न-पत्र**

**प्रश्न-पत्र : पंचम आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त एवं तुलनात्मक राजनीति
खण्ड -क**

राजनीतिक सिद्धान्त की अभिनव प्रवृत्तियाँ : परम्परागत से आधुनिक की ओर प्रयाण, राजनीतिक सिद्धान्त में व्यवहारवाद, अर्थ, प्रकृति, भूमिका और सीमार्ये, उत्तर व्यवहारवाद, राजनीति विज्ञान का विकास। व्यवस्था सिद्धान्त (ईस्टन), संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक सिद्धान्त (ऑमण्ड कोलमैन),

खण्ड -ख

राजनीतिक आधुनिकीकरण एवं राजनीतिक विकास, राजनीतिक सामाजीकरण एवं राजनीतिक संस्कृति, समूह सिद्धान्त, वितरणात्मक उपागम (लॉसवेल)

खण्ड -ग

संस्थाए एवं कार्यकरण- लोकतंत्र एवं निरंकुश तंत्र, संसदीय एवं अध्यक्षीय, संघीय एवं एकात्मक सरकार के अंग उनके कार्य एवं अन्तर्संबंध, दलीय व्यवस्था, दबाव समूह एवं जनमत।

**M. A. Final Examination
Compulsory Paper**

Paper V Modern Political Theory and Comparative Politics

Section A

Recent Trends in Political Theory: Shift from Traditional to Modern

Behaviouralism in Political Theory, Meaning, Nature, Role & Limitations, Post Behaviouralism, Development of Political Science.

Systems Theory (Easton), Structural Functional (Almond and Coleman)

Section B

Political Modernization and Political Development, Political Socialization and Political Culture, Group Theory, Distributive Approach (Lasswell)

Section C

Institutions and Dynamics : Democracy and Dictatorship, Parliamentary and Presidential, Federal and Unitary, types of government, Organs of Government their functions and interrelationships, Party system, Pressure groups and Public opinion.

Recommended Books

Kymlicka, Will, "Contemporary Political Philosophy: An Introduction," OUP, New Delhi, 2002

Rawls John, "A Theory of Justice", OUP, New York, 1971

Nozick, Robert, "Anarchy, State and Utopia," Basic Books, New York, 1974

**Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR**

Bakzya, Santosh, "The Political Theory of Robert Nozick," Kalpaz Publications, Delhi, 2006
 Beitz, Daniel A. "Communitarianism and its Critics," OUP, New York, 1993
 Heater, Derek, "What is Citizenship", Blackwell, New York, 2000
 Okin, Susan, "Justice, Gender and the Family," Basic Books, New York, 1989
 Willet, Cynthia, "Theorising Multiculturalism: A Guide to the Current Debate," Blackwell, New York, 1998
 Roemer John (Ed.), "Analytical Marxism", Cambridge University Press, Cambridge, 1986
 Dobson, Andrew, "Green Political Thought," Routledge, London, 1980
 Gould and Thursby (ed.) Contemporary Political Thought.
 James, C. Charlesworth: (ed.) Contemporary, Political analysis.
 Engene J. Meehan: Contemporary Political Thought A Critical Study
 K.R. Memouse and Crespingy: Contemporary Political Philosophers.
 S.P. Verma: Modern Political Theory
 M. Crasston : The New Left
 J. C. Johari: Contemporary Political Theory.
 S.E. Finer: Comparative Government.
 C.J. Friederich: Constitutional Government and Democracy.
 Arnold Brecht : Political theory : Foundations of Twentieth Century Political Thought.
 Ronald Young (ed.): Approaches to the study of the Political Science. . David Easton : Framework for Political Analysis.
 Lasswell and Kaplan : Power and Society : Framework for Political Inquiry.
 Austin (Ed.)' Essays on the Behavioural Study of policy.
 Almond and Powell: Comparative Politics—A Development Approach . Samuel P. Huntington.: Political Order in Changing Societies.
 Hass and Kariel (Ed): Approaches to the study of Political Science.
 Herbert J Storing: Essays on the Scientific Study of Politics
 David Easton : The Political System : An Enquiry into the State of Political Science.
 Harold D lasswell: Politics: Who gets, What, When and How.
 Dant Germino: Beyond Ideology : Revival of Political Theory.
 Eugene J. Mechan: The Theory and Method of Political Analysis.
 Hayes and Hedlund, (eds). The Conduct of Political Enquiry : Behavioral Political Analysis.
 एस.पी. वर्मा : आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त
 एस.एल. वर्मा : आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त
 हरिशचन्द्र शर्मा : आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त
 सी.बी. गेना: तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाए।

Dy. Registrar (Acad.)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

प्रश्न-पत्र-षष्ठम्: भारतीय शासन और राजनीति

खण्ड-क

संविधान-समा, संविधान के दार्शनिक आधार, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य, राज्य-नीति के निदेशक सिद्धान्त।

संघीय कार्यपालिका- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रि-परिषद्, संसद और उसके दोनों सदनों के मध्य संबंधों का स्वरूप।

खण्ड-ख

उच्चतम न्यायालय और न्यायिक पुनरावलोकन, लोकहित वाद एवं न्यायिक सक्रियतावाद, संविधान-संशोधन, संघ-राज्य संबंध, राज्यपाल का पद और राष्ट्रपति शासन की राजनीति, क्षेत्रवाद और राष्ट्रीय एकीकरण।

खण्ड-ग

राजनैतिक दल, चुनाव व मतदान व्यवहार, निर्वाचन-सुधारों की आवश्यकता, जाति, वर्ग, संप्रदायवाद और भाषा की राजनीति, पंथ-निरपेक्षता, अल्पसंख्यकों की समस्या, सामाजिक और आर्थिक न्याय की समस्या, भारतीय राजनीति में संचार की भूमिका

Paper VI—Indian Government and Politics

Section A

Constituent Assembly, Philosophical Foundations of the Constitution, Fundamental Rights, Fundamental Duties, Directives Principles of State Policy, Federal System. The Union Executive - The President, Prime Minister, Council of Ministers, Parliament and relationship pattern between the two chambers.

Section B

The Supreme Court and Judicial Review, Public Interest litigation and Judicial activism, Amendment of the Constitution, Union-State Relations, Office of the Governor and Politics of President's Rule, Regionalism and National Integration.

Section C

Political Parties, Elections and Voting behavior, Need for electoral reforms, Politics of Caste, Class, Communalism and Language, Secularism, Problem of Minorities, Problem of Social and Economic Justice, Role of Media in Indian Politics.

Recommended Books:

Granville Austin: The Indian Constitution: Cornerstone of Nation.

W.H. Morris-Jones : Government and Politics of India.

Rajani Kothari : Politics in India.

K.L. Kamal: Democratic Politics in India.

Manju Singh : Assam Politics of Migration and quest for identity.


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Iqbal Narain: Indian Government and Politics.

Bhawani Singh : Politics of Alienation in Assam.

Bhawani Singh Council of States in India.

V. R. Mehta : Ideology Modernisation & Politics in India.

Upendra Baxi: The Indian Supreme Court.

J.R. Siwach : Politics of President's Rule in India.

Rakhahari Chatterjee : Union, Politics and the State.

Ghanshyam Shah: Politics of Scheduled Castes & Scheduled Tribes. . Min Shákir : Politics of Minorities.

J.R. Siwach Constituent Assembly.

J.R Siwach: Office of the Governor.

Shakdhar : Parliamentary. Practice in India.

Paul Wallace & Surendra Chopra : Political Dynamics of Punjab.

Myron Weiner : Party Politics in India - The Development of Multiparty System.

Myron Weiner : Politics of Scarcity Public Pressure and Political Response in India.

D.D. Basu, An Introduction to the Constitution of India, New Delhi, Prentice Hall, 1994.

D.D. Basu and B. Parekh (ed.), Crisis and Change in Contemporary India, New Delhi, Sage 1994.

Zoya Hasan, E Sridharan, R. Sudarshana (Edited) : India's Living Constitution- Ideas Practices, Controversies .
2006

एल.एम.सिंघवी : भारत का संविधान : चुनौतियाँ उत्तर

एस.एन.जैन : भारतीय संविधान व राजनीति

पी.के. त्रिपाठी: भारतीय संविधान के मूल तत्त्व

रामगोपाल चतुर्वेदी: सांविधानिक दर्शन (तीन खण्ड)

एम.पी. राय: भारतीय शासन व राजनीति

बी.एल. फडिया : भारतीय शासन व राजनीति

रजनी कोठारी: भारत में राजनीति

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्न-पत्र - सप्तमः : अनुसंधान प्रविधि
खण्ड - क

राजनीति विज्ञान में शोध की आवश्यकता और स्वरूप। अनुसंधान के प्रकार: आदर्शीय, अनुभव परक और व्यवहारवादी, नीतिविश्लेषण, अन्तः अनुशासनात्मक अनुसंधान, वैज्ञानिक पद्धति, अध्ययन के विभिन्न प्रकार : पैनल, केस व क्षेत्रीय।

खण्ड - ख

शोध समस्या का निरूपण, शोध का प्रारूप, प्रायोगिक शोध का प्रारूप, संकल्पना और परिकल्पना, समग्र का चुनाव, आंकड़ों के स्रोत-प्राथमिक और द्वितीयक, निदर्शन, आंकड़ों के संकलन की तकनीक, पर्यवेक्षण, प्रश्नावली और अनुसूची।

खण्ड - ग

गुण-स्थान की अवधारणा : संकेतीकरण व सारणीयन, आंकड़ा-विश्लेषण, प्रतिवेदन-लेखन, राजनीतिशास्त्र में सिद्धान्त निर्माण।

(VII) - Research Methodology

Section-A

Need and Nature of Research in Political Science, Forms of Research: Normative, Empirical and Behavioural, Policy Analysis, Inter-disciplinary Research, The Scientific Method, Various forms of Studies Panel, Case, & Area.

Section-B

Formulation of Research Problem, Research Designs, Experimental Research Designs, Concepts and Hypothesis, Selection of Universe: Source of data: Primary and Secondary, Sampling, Techniques of data-collection, Observation, Questionnaire & Schedule.

Section-C

Concept of Property and Space, Coding and Tabulation, Data Analysis, Report Writing, Theory Building in Political Science.

Recommended Books:

Karl Popper: The Logic of Scientific Discovery.

Kenneth Janda: Data Processing: Application to Political Research.

Louis D. Hayes and Ronald D Hednd (ed.): The Conduct of Political Inquiry : Behavioural. Political Analysis.

I. Villiman Buchman: Understanding Political Variables.

Thomas A. Sprangens : The Dilemma of Contemporary Political Theory: Toward a Post-Behavioural Science of Politics.

John Galtung: Theory and Methods of Social Research.

Russell L. Ackoff: The Design of Social Research.

Meehan: The Foundation of Political Analysis : Empirical and Normative.

H.W Smith: Strategies of Social Research-The Methodological Imagination.

G. Sjøberg and Roger Nett: A Methodology for Social Research.

Dr. B.M. Jam: Research Methodology.

Goode and Hatt: Methods in Social Research, Mc Graw-Hill Books Co., New Delhi, 1987.

एस. एल. वर्मा : राजनीति विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि।

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

वैकल्पिक प्रश्न पत्र

वक्र व IX प्रश्न-पत्र हेतु अग्रांकित प्रश्न-पत्रों में से किन्हीं दो प्रश्न-पत्रों का चयन किया जा सकता है।

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
2. संविदावादी
3. उदारवादी
4. समाजवादी चिन्तन
5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन
6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
7. गाँधीय राजनीतिक चिन्तन
8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि
9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार
10. संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन व भारत की विदेश नीतियाँ
11. भारत में मानवाधिकार
12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
13. दक्षिण एशिया में शासन व राजनीति
14. भारत में लोक प्रशासन
15. भारत में जिला प्रशासन: पंचायती राज के विशिष्ट संदर्भ में
16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति
17. भारत में राज्य-राजनीति
18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति
19. राजनीतिक समाजशास्त्र
20. महिला, शासन एवं राजनीति


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

M. A. Final Examination
OPTIONAL PAPERS

For Selection of VIII & IX Paper shall be selected from the following list of Papers

1. Greek Political Thought
2. Contractualists
3. Liberals
4. Socialist Thought
5. Ancient Indian Political Thought
6. Modern Indian Political Thought
7. Gandhian Political Thought
8. Public International Law
9. Theory & Practice of Diplomacy
10. Foreign Policies of U.S.A., Russia, U.K., China and India
11. Human Rights in India
12. International Organisation
13. Government and Politics of South Asia
14. Public Administration in India
15. District Administration in India with Special Reference to Panchayati Raj
16. Comparative Government & Politics in Countries of the Third World
17. State Politics in India
18. Electoral Politics in India
19. Political Sociology
20. Women, Governance and Politics

वैकल्पिक प्रश्न पत्र

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
अग्रकित कृतियों का अध्ययन –
 - (i) प्लेटो-रिपब्लिक
 - (ii) अरस्तु-पॉलिटिक्स

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

1. Greek Political Thought.

Study of the following texts:

- (i) Plato-Republic
- (ii) Aristotle-Politics

Recommended Books

- Ernest Barker, Greek Political Theory Plato and his predecessors, London 1951.
- Robert J. Bonner: Aspect of Athenian Democracy, Berkeley, Calif. G. Glotz: Greek City and its Institutions. Eng. Tr. by N. Mallii London.
- EM. Cornford: Before and after Societies, Cambridge. . TA. Sinclair: A History of Greek Political Thought.
- A.E. Taylor: Societies, New York, 1993.
- K.R. Popper: The Open Society and its Enemies. Rev. ed. Prince, 1950, Part I.
- Ronald B. Levinson: In Defence of Plato, Cambridge.
- Ernest Barker (Translated): The Politics of Aristotle, Oxford.

2. संविदावादी

संविदावादी विचारकों की मूल कृतियों के संदर्भ में अध्ययन-कृतियाँ

- (i) हॉब्स-लेवियाथन
- (ii) लॉक- टू ट्रीटाइजेज ऑन सिविल गवर्नमेण्ट
- (iii) रूसो- सोशल कॉन्ट्रैक्ट, ऐसे ऑन इनईक्वेलिटी

2. Contractualists

With reference to the original writings of Contractualists:

- (i) Hobbes - Leviathan
- (ii) Locke - Two Treatises on Civil Government
- (iii) Rousseau - Social Contract, Essay on Inequality.

Recommended Books

Leo Strauss : The Political Philosophy of Hobbes. In Basis and Genesis. Warrender: Political Philosophy of Thomas Hobbes.

Christopher Hill : Puritanism and Revolution.

C.B. Macperson: The Political Theory of Possessive Individualism.

John Bowle : Hobbes and High Critics: A Study in Seventeenth Century Constitutionalism

JW. Geough: John Locke's Political Philosophy.

Alfred Cobban: Rousseau and the Modern State.

E. Wright: The Meaning of Rousseau.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

3. उदारवादी

अग्रांकित उदारवादी चिंतकों के सन्दर्भ में अध्ययन की मूल कृतियाँ :

- (i) बेन्थम – फ्रेग्मेण्ट्स ऑन गवर्नमेन्ट
- (ii) जे.एस.मिल – यूटिलिटेरियानिज्म, ऑन लिबर्टी
- (iii) टी.एच.ग्रीन – लेक्चर्स ऑन प्रिंसीपल्स ऑफ पोलिटिकल ऑब्लिगेशन

3. Liberals

With reference to the following texts of the liberal thinkers:

- (i) Bentham-Fragments on Government.
- (ii) J.S.Mill-Utilitarianism, on Liberty.
- (iii) T.H. Green-Lectures on Principles of Political Obligations.

Recommended Books:

Harold J.Laski : Political Thought in England from Locke to Bend . William Davidson: Political Thought in England : The Utilitarians I Bentham to J.S. Mill, New York.

Lester Sephen : The English Utilitarians.

Ernest Barket : Political Thought in England 1814, 1914, London. . Isaiah Berlin: Two Concepts of Liberty, Oxford.

Karl Briton : John Stuart Mill.

Melvin Richter : The Politics of Conscience : T.H. Green and his Times.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

4. समाजवादी चिंतन

खण्ड -क

मार्क्स से पूर्ववर्ती समाजवादी परम्परा: थॉमस मूर, विलियम गॉडविन, संत साइमन, चार्ल्स फोरियर, राबर्ट ओवन, लुई ब्लान्क

खण्ड -ख

मार्क्स, लेनिन, स्टालिन एवं माओ के विचार व योगदान

खण्ड -ग

प्रोधां, बाकुनिन एवं क्रोपाटोकिन के विचार व योगदान: श्रमिक संघवाद, श्रेणी समाजवाद, अराजकतावाद, राष्ट्रीय समाजवाद, लोकतांत्रिक समाजवाद।

4. Socialist Thought

Section A

Pre-Maxian Socialist Tradition: Ideas of Thomas Moore William Godwin, Saint Simon, Charles Fourier, Robert Owen, Louis Balance.

Section B

Ideas and contribution of Karl Marx, Lenin, Stalin and Mao

Section C

Ideas and Contribution of Proudhon, Bakunin and Kropotkin: Syndicalism Guild Socialism, Anarchism, National Socialism, Democratic Socialism.

Recommended Books:

Alexander Gray: The Socialist Tradition, Marx to Lenin

Alfred G. Heyer: Leninism.

Edward Me Nall Lurns: Ideas in Conflict, Chapter V, VI, VII

George Lichtheim : A Historical and Critical Study.

Joseph Schumpeter: Socialism in Evolution.

Dr. K. L. Kamal : समाजवादी चिंतन

Ashok Mehta: Studies in Asian Socialism.

परमात्मा शरण: प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन व संस्थाएं


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन

खण्ड -क

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन की प्रमुख विशेषताएँ, प्राचीन भारतीय चिंतन के दार्शनिक आधार, व्यक्ति तथा समाज व राज्य से उनके संबंध के विषय में प्राचीन भारतीय दृष्टिकोण, वेदों में राजनीतिक विचार, बौद्ध व जैन राजनीतिक विचार।

खण्ड-ख

स्मृतियों व महाकाव्यों में राजनीतिक विचार: मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति, रामायण व महाभारत (शांति पर्व के विशिष्ट संदर्भ में)

खण्ड -ग

नीतिग्रन्थों में राजनीतिक विचार: कौटिल्य का अर्थशास्त्र, शुक्रनीतिसार, सोमदेव का नीतिवाक्यामृतम

5. Ancient Indian Political Thought

Section A

Main features of Ancient Indian Political Thought: Its Philosophical Bases; Ancient Indian view of man and his relation to Society and State, Political Ideas in Vedas, Political Ideas of Buddhists and Jains.

Section B

Political Ideas in Smritis and Epics: Manusmriti, Yajnavalkya Smriti, Ramayan and Mahabharat (with special reference to Shantiparva).

Section C

Political Ideas in Neetigranthas: Arthshashtra of Kautilya, Sukranitsar and Som Dev's Neeti Vakyamritam:

Recommended Books

D.D. Kosambi, Culture and Civilizations in Ancient India, Vikas, 1980.

V.P. Verma, Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations, Delhi, Motilal Banarsidass, 1974.

U.N. Ghoshal, A History of Indian Political Ideas, London, Oxford University Pres, 1959.

K.P. Jayaswal, Hindu Polity, Calcuta, Butterworth, 1924.

Arbind, Sharma, Classical Hindu Thought: An Introduction Oxford, 2000.

R.C. Majumdar, History and Culture of Indian People, (II volumes), Calcutta, 1956

A.S. Atekekar, State and Government in Ancient India, Motilal Banarasidas, 1966

A. Appadurai, : Indian Political Thinking, Oxford Press.

R. P. Kangle, : Arthashastra of Kautilya, Delhi, Motilal Banarasidas, 1965.

Dr. R.G. Chaturvedi and Dr. Inakshi Chaturvedi: Yajnavalkya Smriti, The code of Laws by Yajnavalkya Smriti.

मधुकर श्याम चतुर्वेदी, प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस, जयपुर

रामशरण शर्मा: प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, 2010

राकेश कुमार झा व महेन्द्र शर्मा, प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन में प्रशासनिक नियन्त्रण का स्वरूप, रिंतु पब्लिकेशन जयपुर 2006

मंजु शर्मा, प्राचीन भारत में राजनय(एक तुलनात्मक अध्ययन) आर.बी.एस पब्लिशर्स जयपुर 2007

श्याम लाल पाण्डेय: भारतीय राजशास्त्र प्रणेता, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लखनऊ

परमात्माशरण: प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन

खण्ड-क

राष्ट्रवाद व राजनीतिक उद्भव का दर्शन: सामाजिक पुनरुद्धार: राजा राममोहन राय, दयानन्द सरस्वती व विवेकानन्द।

खण्ड-ख

गोपाल कृष्ण गोखले, बाल गंगाधर तिलक, अरबिन्दो, वी.डी. सावरकर, लाला लाजपतराय एवं दीन दयाल उपाध्याय के विचार व योगदान।

खण्ड-ग

मोहन दास करमचन्द गांधी, जवाहर लाल नेहरू, भीमराव अम्बेडकर, मानवेन्द्र नाथ रॉय एवं विनोबा भावे के विचार व योगदान।

6. Modern Indian Political Thought.

Section A

Philosophy of Nationalism and Political Evolution; Social

Regeneration: Ideas of Ramnohan Roy, Dayanand Saraswati, Vivekanand.

Section B

Ideas and contribution of Gopal Krishan Gokhale, Bal Gangadhar Tilak, Aurbindo,

V.D. Savarkar and Lajpat Rai and Deen Dayal Upadhyaya.

Section C

Ideas and contribution of M.K. Gandhi, Jawahar Lal Nehru, B.R. Ambedkar, M.N. Roy and Vinoba Bhave.

Recommended Books:

A. Appadorai, Documents on Political Thought in Modern India, 2 Vol. Bombay Oxford University Press, 1970.

K. N. Kadam, Dr. B. R. Ambedkar, New Delhi, Sage, 1992.

M. J. Kanetkar, Tilak & Gandhi: A Comparative Study, Nagpur, Author, 1935.

B. R. Nanda, Gokhale, Gandhi and Nehrus: Studies in Indian Nationalism, London, Allen and Unwin, 1974.

G. Omveit, Dalits and the Democratic Revolution: Dr. Ambedkar & Dalit Movement in Colonial India, New Delhi, Sage, 1994.

T. Pantham & K. Deustch, Political Thought in Modern India, New Delhi, Sage, 1986.

S. A. Wolpert, Tilak & Gokhale, Berkeley, University of California Press, 1962.

Rakesh Kumar Jha, Religion, Dharma and Polity:- Concept Publication, Delhi, 2012.

मधुकर श्याम चतुर्वेदी: प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस, जयपुर

पुरुषोत्तम नागर: आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक विचारक, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

वी.पी.वर्मा: आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारक लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा (हिन्दी व अंग्रेजी)

ए.अवस्थी व आर.के.अवस्थी: भारतीय राजनीतिक चिन्तन, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर

7. गांधीय राजनीतिक चिंतन

खण्ड-क

गांधी के विचारों व व्यक्तित्व पर निर्धारक प्रभाव, गांधी के विचारों व कर्मण्यताका उद्विकास, दक्षिण अफ्रीका में प्रयोग, गांधी के विचारों के तात्विक आधार, सत्य, अहिंसा, गांधीय तकनीक-सत्याग्रह, साधन व साध्य

खण्ड-ख

हिन्द स्वराज में मूलभूत विचार, वर्ण व्यवस्था, अस्पृश्यता निवारण, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं धर्म, गांधीय अर्थशास्त्र: अर्थशास्त्र का नैतिक आधार, मुख्य आर्थिक संकल्पनाएँ-विकेन्द्रीकरण, औद्योगीकरण व यंत्रों के प्रति दृष्टिकोण, स्वदेशी, रोटी के लिये श्रम, श्रम व पूंजी के मध्य संबंध, प्रत्यास सिद्धांत।

खण्ड-ग

राज्य व शासन के प्रति गांधी का दृष्टिकोण, राज्य -व्यवस्था का गांधीय प्रतिमान, मार्क्स, माओ व गांधी: सामाजिक परिवर्तन के वैकल्पिक प्रतिमान, विनोबा, मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) व गांधी, शांति-स्थापना व द्वंद्व -समापन का गांधीय प्रतिमान।

7. Gandhian Political Thought

Section-A

Formative influence, Evolution of Gandhi's ideas and activism, Experiments in South Africa, Metaphysical foundations of Gandhi's ideas, Truth, Ahinsa, Gandhian Technique Satyagraha, End & Means.

Section-B

Fundamental ideas in Hind Swaraj, Varna-Vyavastha, Eradication of Untouchability place of women, Education and Religion, Gandhian Economics, Ethics of Economics, Main economic formulations : Decentralization, views on Industrialization and Machines, Swadeshi, Bread - Labour, Labour-Capital Relationship, Trusteeship.

Section-C

Gandhi's view of State and Government, Gandhian model of polity, Marx, Mao and Gandhi-Alternative for social change, Vinoba, Martin Luther King (Jr.) and Gandhi; Gandhian frame-work for peace and conflict resolution.

Recommended Books:

Murty V.V. Raman: Essential Writings of Gandhi.

Allen, Douglas: (Ed.), "The Philosophy of Mahatma Gandhi for the Twenty-First Century".

Laxington Books, Lanham, 2008

Andrews, C.F.: "Mahatma Gandhi : His life and Ideas", Anmol Publications, New Delhi, 1987

Bandyopadhyaya, J.: "Mao-tse-tung and Gandhi: perspective on Social Transformation", Allied Publishers, New Delhi, 1973

Bondurant, Joan V.: "Conquest of Violence: The Gandhian Philosophy of Conflict", OUP, Mumbai, 1959

Bose, Nirmal Kumar "Studies in Gandhism", Navajivan Publishing House, Ahmedabad, 1972

Brown, Judith M. & Parel, Anthony: (Ed.), "The Cambridge Companion to Gandhi", Cambridge University Press, Cambridge, 2011

Dadhich, Naresh "Gandhi and Existentialism", Rawat Publications, Jaipur, 1993

Dadhich, Naresh: "Women, Conflict Resolution and culture: Gandhian Perspective", Aavishkar Publishers, Jaipur, 2003.

Dadhich, Naresh: "Non-Violence, Peace and Politics: Understanding Gandhi", Aavishkar

- Publishers, Jaipur, 2003.
- Datta, Dharendra Mohan: "The Philosophy of Mahatma Gandhi" The University of Wisconsin, Madison, 1953
- Dhawan, Gopinath: "The Political Philosophy of Mahatma Gandhi", Navjivan Publishing House, Ahmedabad, 1951
- Ericson, Eric H.: "Gandhi's Truth: on the Origins Militants Non-violent", Norton New York, 1969
- Fischer, Louis: "The Life of Mahatma Gandhi", Granada, London, 1951
- Gandhi, Rajmohan: "Mohandas: A True Story of a Man, His People and An Empire", Penguin Books, New Delhi, 2006
- Ganguli, B.N.: "Gandhi's Social Philosophy: perspective and relevance", Vikas Publishing House, New Delhi, 1973
- Guha, Ramchandra: "Gandhi Before India", Allen Lane, New Delhi, 2013
- Gundam, Rahul Ram: "Gandhi's Khadi: A History of Contention and Conciliation", Orient Longman, Hyderabad, 2008
- Iyer, Raghavan N.: "The Moral and Political Thought of Mahatma Gandhi, OUP, Delhi, 1973
- Kulkarni, Sudheendra: "Music of the Spinning Wheel: Mahatma Gandhi's Manifesto for the Internet Age", Published by Amarwillas, New Delhi, 2012
- Lalyveld, Joseph: "Great Soul: Mahatma Gandhi and his struggle with India", Harper Collins, New Delhi, India, 2011
- Parekh, Bhikhu: "Colonialism Tradition and Reform: An Analysis of Gandhi Political Discourse", Sage Publication, New Delhi, 1989.
- Parel, Anthony: "Hind Swaraj and Other Writings", Foundation Books, New Delhi, 2005.
- Richards, Glyn: "Gandhi's Philosophy of Education", OUP, New Delhi, 2001
- Roy, Ramashray: "Self and Society: A Study in Gandhian Thought", Sage Publications, New Delhi, 1984.
- Rudolph, Lloyd I. & Rudolph, Susanne H., "Postmodern Gandhi and Other Essays : Gandhi in the World and at Home" OUP, New Delhi, 2006.
- Terchek, Ronald: "Gandhi: Struggle for Autonomy," Rowman and Littlefield Publishers, Lanham, USA, 1998.
- D.K. Mishra: Gandhi and Social Order.
- लुई फिशर; "गाँधी की कहानी" सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
- बी आर नन्दा; "महात्मा गाँधी – एक जीवन" सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1986
- एम के गाँधी; "दक्षिण अफ्रिका के सत्याग्रह का इतिहास" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2011
- एम के गाँधी; "सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2012
- एम के गाँधी; "हिन्द स्वराज" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2012
- एम के गाँधी; "ग्राम स्वराज" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2011
- नन्द किशोर आचार्य (हिन्दी रूपान्तर); "हिन्द स्वराज: पश्चिमी दृष्टि में" प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर, 2009
- राकेश कुमार झा: गांधीय चिन्तन में सर्वोदय प्वाइंट पब्लिशर्स जयपुर, 2009
- महादेव प्रसाद: महात्मा गांधी का समज दर्शन, साहित्य अकादमी, पंचकूला

8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि

खण्ड-क

अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति व क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत, अन्तर्राष्ट्रीय विधि व राष्ट्रीय विधि में संबंध-विविध सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय विधि का ऐतिहासिक क्रम-विकास तथा उसके विकास में सहायक कारक, महाशक्तियों तथा तृतीय विश्व के देशों का उदय तथा उनका अन्तर्राष्ट्रीय विधि पर प्रभाव, अन्तर्राष्ट्रीय विधि की विभिन्न विचारधाराएँ, अन्तर्राष्ट्रीय विधि का संहिताकरण।

खण्ड-ब

राज्य: संप्रभु व अंशतः संप्रभु राज्य, तटस्थीकृत राज्य, राज्य-क्षेत्र, राज्य क्षेत्र के अर्जन व अपहरण के तरीके, राज्य-उत्तराधिकार, राज्यों की मान्यता, आत्मरक्षा हस्तक्षेप, आवश्यकता व आत्म-परीक्षण का सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विषय- राज्य व व्यक्ति, राष्ट्रीयता, राजनयिक अभिकर्ता व वाणिज्यदूत, राज्यों के अन्तर्राष्ट्रीय दायित्व, संधियाँ, क्षेत्राधिकार: राज्य के क्षेत्राधिकार पर मर्यादाएँ, शरण व प्रत्यर्पण, स्थायी न्यायालय, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का निपटारा, सहमतिपूर्ण व बाध्यकारी।

खण्ड-ग

युद्ध के नियम: युद्ध की परिभाषा व प्रकृति, युद्ध की घोषणा, युद्ध के प्रभाव, युद्ध के समापन के तरीके, युद्ध स्थिति व विद्रोहिता, व्यक्ति, सम्पत्ति निगम आदि का शत्रु चरित्र, स्थल युद्ध, विद्रोही-अभिग्रहण, समुद्री युद्ध, नोजितमाल न्यायालय (प्राइज कोर्टस), हवाई युद्ध व नाभिकीय युद्ध, युद्ध - अपराध, युद्धोत्तर परावर्तन के सिद्धान्त, तटस्थता की विधि: तटस्थता की परिभाषा व उसके प्रकार, तटस्थ व युद्ध स्थित, तटस्थों व युद्ध - स्थितों के दायित्व, संकटाधिकार, परिवेष्टन तथा विनिषिद्ध, अतटस्थ सेवाएँ, निरीक्षण व तलाशी का अधिकार, समुद्री मार्ग की निरंतरता का सिद्धान्त

8. Public International Law

Section-A

Nature and Scope of International Law, Sources of International Law, Relation between International law and Municipal Law, Various theories. Historical Evolution and Factors helping the growth of International Law, Emergence of Super powers and Countries of the III World and their impact on International Law, different schools of International Law. Codification of International Law.

Section-B

The Law of peace: States Sovereign States and partly Sovereign States, Neutralized States. State Territory: modes of acquisition and loss of State territory, States Succession, Recognition of States, Self-Defence, Intervention; Doctrine of necessity and self preservation. Subject of International Law-States and Individuals, Nationality, Diplomatic Agents and Consuls, International responsibility of States, Treaties, Jurisdiction, Limits on State's Jurisdiction, Asylum and Ex-tradition. International organization History, League of Nations, Permanent Court of Justice, International Court of Justice. Leading Cases, United Nations and its contribution to International Law, Settlement of International Disputes: Amicable and Compulsive.

Section-C

Laws of War: Definition and nature of war, Declaration of War, Effects of War, Modes of termination of War, Belligerency and Insurgency, Enemy Character of person, Property, Corporation etc., Warfare on land, Belligerent occupation etc., Warfare on sea, Prize Courts; Aerial Warfare and nuclear warfare; War Crimes; Doctrine of Postliminium, The Law of Neutrality: Neutrality its definition and kinds, Evolution of Neutrality: Neutrals and belligerents, Duties of neutrals and belligerents, Angary, Blockade and contraband. Unneutral service and Right of Visit and search, Doctrine of Continuous voyage.

Books Recommended:

Oppenheim: International Law: Vols. I and II.

Fenwick: International Law.

Stark: International Law.

Kelson : Principles of International Law.

Gould: An Introduction to International Law.

Frendman: The changing structure of International Law.

Richard A Falk :/ The Status of Law in. International Society.

Nagendra Singh: Recent Trends in the Development to International Law.

Vasscher: Theory and Reality in International Law.

Arun Chaturvedi : Contemporary diplomatic in contemporary International relations.

Pitt Cobbet: Case on International Law.

Green: International Law through Cases.

J. Stone: Legal Control of International Conflicts. . Jenks : The Common Law of Mankind.

शील कान्ता आसोपा: अन्तर्राष्ट्रीय विधि

एम.पी. टण्डन: अन्तर्राष्ट्रीय विधि

एस.के. कपूर: अन्तर्राष्ट्रीय विधि

अरुण चतुर्वेदी : विमलेन्दु तायल: नए राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय विधि

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

8. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार

खण्ड-क

राजनय की उत्पत्ति, प्रकृति, विकास व उद्देश्य, राष्ट्रीय शक्ति के उपकरण, साधन के रूप में राजनय का विकास, राजनयिक आचार का विकास, राजनय की यूनानी, रोमन, इतालवी व फ्रांसीसी पद्धतियाँ, राजनय की भारतीय पद्धति, स्मृतियों, महाकाव्यों व नीतिशास्त्रों का योगदान, राजनय के कार्य, राजनयिक अभिकर्ता-श्रेणियाँ, विशेषाधिकार व उन्मुक्तियाँ, तृतीय राज्य के संदर्भ में स्थिति, राजनयिक निकाय, अग्रता के सिद्धान्त, प्रत्यय पत्र व पूर्णाधिकार, आदर्श राजनयज्ञ।

खण्ड-ख

राजनय के प्रकार— प्रजातांत्रिक राजनय, संसदीय राजनय, शिखर राजनय, सम्मेलनीय राजनय, वैयक्तिक व सहमिलनीय राजनय, पुरातन व नवीन राजनय, राजनय की नई प्रविधियाँ तथा अधुनातन विकास, गुट-निरपेक्षता का राजनय, संयुक्त राष्ट्र संघ में राजनय, आधुनिक राजनय में प्रचार, युद्ध व शांति के दौरान राजनय, भारतीय राजनय, वाणिज्यदूत व उनके कार्य।

खण्ड-ग

अन्तर्राष्ट्रीय बैठकों व संव्यवहार, संधियाँ: स्वरूप उद्देश्य व वर्गीकरण, संधियाँ व उनके विभिन्न पक्ष-अविप्रतिपत्ति संधि (कॉन्कोर्डेट), अपर-अनुच्छेद (एडीशनल आर्टिकल्स), वृत्त-सार (फाइनल एक्ट), अधिकृत कार्यवृत्त (प्रॉसेस वर्बल), अनुसमर्थन (रॉटिफिकेशन), अधिमिलन (एसेशन), अपवाद (रिजर्वेशन) तथा समाप्ति (टर्मिनेशन), राजनयिक संव्यवहारों की भाषा तथा प्रलेखों का प्ररूप, राजनय का महत्त्व व परिवर्तनशील भूमिका, राजनय का भविष्य, विदेशनीति व राजनय, विदेश सेवाएँ व विदेश कार्यालय-भारत के विदेश मंत्रालय के संगठन व कार्यों के विशिष्ट संदर्भ में।

9. Theory and Practice of Diplomacy

Section-A

Origin, Nature, Development, Objectives of Diplomacy, Evolution of Diplomacy as a weapon and tool of National Power; Evolution of Diplomatic practices; Greek, Roman, Italian and French Schools of Diplomacy; Indian School of Diplomacy—Constitution of Smritis; Epics and Neetigranths; Functions of Diplomacy; Diplomatic Agents - Classes, Privileges and Immunities, Position with regard to Third State; Diplomatic body; Principles of Precedence, Credentials and full power; Ideal Diplomat.

Section-B

Types of Diplomacy: Democratic Diplomacy, Parliamentary Diplomacy, Summit Diplomacy, Conference Diplomacy, Personal and Coalition Diplomacy, Old Diplomacy and new Diplomacy; New Technique's and recent Development in Diplomacy; Diplomacy of Non-alignment; UN Diplomacy; Propaganda in Modern Diplomacy; Diplomacy during war and peace; Indian Diplomacy; Consular Agents and their functions.

Section-C

International Meetings and transactions; Treaties, Forms, Objectives and Classifications; Treaties and their different aspects—Concordat, Additional Articles, Final Act, Process Verbal, Ratification; Accession; Reservation and termination; Language of Diplomatic Intercourse and form of Documents. Significance and changing Role of Diplomacy; Future of Diplomacy; Foreign Policy and Diplomacy; Foreign Service and Foreign Office with special reference to the Organisation and Functions of the Ministry of External Affairs in India.

Recommended Books:

Nicholson Diplomacy

Nicholson : Evolution of Diplomatic Methods.

Saltow: Guide to Diplomatic Practice.

Panikkar : Principles and Practice of Diplomacy.

Roy M.P. : Rajnaya Siddhant and Vyavahar (Hindi Granth Academy, Jaipur)

Krishnamurthy: Dynamics of Diplomacy.

Girija Mukerjee : French School Diplomacy.

Thayer: Diplomat.

Rayter: Diplomacy of the Great Powers.

Regalia : Trends in Diplomatic Practice.

Kenney A. L. : Diplomacy Old and New. ...

Arun Chaturvedi: Con. Diplomatic law in contemporary Int. relations.

एच. सी. शर्मा : राजनयः सिद्धांत और व्यवहार

अरूण चतुर्वेदी, विमलेन्दु तायल : नये राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय विधि

आर.सी. खण्डेलवाल : राजनय के सिद्धांत और व्यवहार

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

10. संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन एवं पाकिस्तान की विदेश नीति

खण्ड -क

1945 से अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों का सिंहावलोकन, विदेश नीति की अध्ययन पद्धतियाँ, विदेश नीति के तत्त्व, विश्वयुद्धों, वैदेशिक सहायता, नाभिकीय अस्त्रों के प्रसार तथा भू-राजनीति के संदर्भ में विदेश नीति, संयुक्त राज्य अमरीका की विदेश नीति, अमरीकी परम्परा व समसामयिक परिवर्तन, गठबंधन, वैदेशिक सहायता का उदारीकरण, आधुनिक प्रवृत्तियाँ।

खण्ड-ब

भारतीय विदेश नीति: निर्धारक तत्त्व, गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत व व्यवहार, पश्चिमी देशों से संबंध, राष्ट्रकुल में भूमिका, चीन व अन्य पड़ोसी देशों से संबंध, संयुक्त राज्य अमरीका से संबंधों का बदलता स्वरूप, संयुक्त राष्ट्र संघ व विश्व शांति के संबंध में भूमिका, दक्षिण एशिया में भारत की भूमिका।

खण्ड-ग

चीन जनवादी गणराज्य की विदेश नीति: राष्ट्रीय व विचारधारागत कारक, चीन-अमेरिका संबंध, एशिया, अफ्रीका व लातिनी अमेरिका के प्रति नीति, सोवियत संघ के विघटन का चीन की विदेश नीति पर प्रभाव। पाकिस्तान की विदेश नीति: आधार, चुनौतियाँ एवं प्राथमिकताएँ।

10. Foreign Policies of USA, India, China & Pakistan

Section-A

An overview of international relation since 1945, Approaches to the study of foreign policies, elements of foreign policy, foreign policy in the context of World Wars, foreign Aid, Nuclear Proliferation and geopolitics.

US Foreign Policy: The American tradition & Contemporary Shifts, alliances, foreign aid liberation, Recent Trends.

Section-B

India's Foreign Policy : Determinants, Theory and Practice of nonalignment; relation with the west; Role in the Commonwealth, relations with China and other neighbours; Changing patterns of relationship with USA, Role in United Nations and World peace, India's role in South Asia.

Section-C

People's Republic of China's Foreign Policy : The National and ideological Components; the Sino-American Relations; policy in Asia, Africa and Latin America, Impact of the collapse of USSR on Chinese foreign policy. Foreign Policy of Pakistan: Determinants, Challenges and Priorities.

Recommended Books:

Black and. Thompson: Foreign Policies in a Changing World.

Macridis: Readings in Foreign Policies.

WW. Rostow: The United States in the World Arena.

George Kennan: Soviet Foreign Policy under Lenin & Stalin.

Warner Levi: Modern China's Foreign Policy.

V.P. Vutt: Chinese 'Foreign Policy.

K.P. Karunakaran : India in World Affairs 1947-50.

K.P. Karunakaran: India in World Affairs 1950-53.

M.S. Rajan: Indian in World Affairs 1954-56.

I.C. Kundra : Indian Foreign Policy 1947-54.

Jawahar Lal Nehru: India's Foreign Policy.

J.D.B. Miller: The Commonwealth in the World.

H.K. Jacobson(ed) : America's Foreign Policy.

एम. एल. शर्मा: अन्तराष्ट्रीय संबंध

**Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR**

II. भारत में मानवाधिकार

खण्ड - क

मानवाधिकार एवं भारतीय संविधान, मानवाधिकार: अर्थ, प्रकृति एवं परिभाषा। मानवाधिकारों की संवैधानिक रूपरेखा: मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक तत्व और मौलिक कर्तव्य। राज्य एवं समाज के सन्दर्भ में अधिकार एवं कर्तव्यों के सह-सम्बन्ध।

खण्ड-ख

मानव मूल्य: सार्वभौमिक, सांस्कृतिक, सामाजिक गरिमा, न्याय और समानता। भारतीय संविधान अनुच्छेद-32 व 226, जनहित याचिका, मानव अधिकार और विशेष हित। सुविधा वंचित समूह: महिला, कामगार वर्ग, वृद्धजन एवं निःशक्तजन। गैर सरकारी संगठनों एवं मीडिया का मानव अधिकारों की चेतना में भूमिका।

खण्ड - स

मानवाधिकार संरक्षण में अन्तर्राष्ट्रीय बाध्यता (मानव अधिकारों के भारतीय परिप्रेक्ष्य में) मानवाधिकारों का सार्वभौमिक घोषणापत्र, 1948, मानव अधिकार संरक्षण कानून 1993, राष्ट्रीय विशिष्ट अभिकरण, भारत में मानव अधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, जिला मानवाधिकार न्यायालय, मानव अधिकार व सुशासन के मध्य सम्बन्ध।

II. HUMAN RIGHTS IN INDIA

Section A

Human Rights and The constitution of India: Meaning, Nature and Definition. Constitutional Frame Work of Human Rights: Fundamental Rights, Directive Principles and Fundamental Duties. Co-relationship between Rights and Duties in relation to State and Society.

Section B

Human Values: Universal, Cultural, Social Dignity, Justice and Equality. Indian Constitution Article-32, Article-226, Public Interest Litigation. Human Rights and Special Interests/Disadvantage Groups : Women, Working Class, Aged and Disabled. The Role of Non-Governmental organization & Media in Human Rights Sensitization.

Section C

International Obligation to Protect Human Rights. (Indian Perspective on Human Rights) The Universal Declaration of Human Rights, 1948. The Protection of Human Rights Act, 1993. National Specialized Agencies: The National Human Rights Commission of India, The State Human Rights Commissions, The District Human Rights Courts, Relation with Human Rights and Good Governance.

Recommended Books:

Leah Levin Plantu: Human Rights, National Book Trust, India

Rhona K.M. Smith: International Human Rights, Oxford

Mukul Sharma: Human Rights in a Globalised World, Sage Publications

Elisabeth Reichert: Challenges in Human Rights, Rawat Publications

**D.N. Gupta, Chandarachur Singh: Human Rights Act, Statutes and
Constitutional Provisions**

**Jashal S. Parak Jith, Jashlal Nishtha: Human Rights and Law, APH Publishing
Corporation**

**Subramaniam S.: Human Rights- International, Deep And Deep Publication,
New Delhi.**

Sen Sankar: Human Rights in Developing Society, APH Publishing Corporation

डॉ० शिवदत्त शर्मा: मानव अधिकार, विधि साहित्य प्रकाश

सुभाष शर्मा: भारत में मानवाधिकार, नेशनल बुक ट्रस्ट इण्डिया

एस. गोपालन: भारत और मानव अधिकार, लोक सभा सचिवालय

एस.एन. पाण्डे: मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम एवं नियम, हरि लॉ एजेन्सी

डॉ० जय जय राम उपाध्याय: मानव अधिकार, सेन्ट्रल लॉ एजेन्सी

ब्रज किशोर शर्मा: भारत का संविधा, प्रेंटिस हाल ऑफ इण्डिया।

**Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR**

12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

खण्ड-क

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का सामान्य व आधारभूत विचार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की परिभाषा, वर्गीकरण, क्षेत्र, प्रयोजन, शक्तियां व विभिन्न दृष्टिकोण, प्रथम विश्वयुद्ध से पूर्व की स्थितियां, लीग व्यवस्था राष्ट्र संघ-उत्पत्ति, अवधारणात्मक व राजनैतिक स्वरूप, प्रसंविदा के प्रावधान: संरचना व कार्य, राजनैतिक व सुरक्षात्मक प्रश्न, आर्थिक व सामाजिक सहयोग, राष्ट्रसंघ प्रयोग का एक मूल्यांकन, दो विश्व युद्धों के मध्य के काल में प्रयास: डम्बरटन ऑक सम्मेलन, माल्टा व सनफ्रांसिस्को सम्मेलन व संयुक्त राष्ट्र संघ की उत्पत्ति

खण्ड - ब

संयुक्त राज्य संघ के मूलभूत सिद्धांत व मुख्य अंग, सुधारों की आवश्यकता, संयुक्त राष्ट्र संघ से संबंधित मूलभूत मुद्दे: नेतृत्व का मुद्दा व प्रतिनिधित्व की समस्या; मतदान के नियम व प्रक्रियाएं, चार्टर में औपचारिक व अनौपचारिक संशोधन, वित्तीय समस्याएँ। विवादों का शान्तिपूर्ण निपटारा: प्रक्रियाएं व पद्धतियाँ, सामूहिक सुरक्षा : चार्टर के प्रावधान व वास्तविक स्थितियां, शान्ति-निर्वहन, सामूहिक सुरक्षा व शान्ति-निर्वहन के विशिष्ट मामलों का अध्ययन।

खण्ड - ग

वैधानिक संगठन: 1945 से पूर्व वैधानिक विकास, अन्तर्राष्ट्रीय विधि के एक प्रलेख के रूप में चार्टर, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय विधि आयोग, क्षेत्रीय संगठन: क्षेत्रीय संगठनों के स्वरूप, बहुउद्देशीय क्षेत्रीय संगठन, संयुक्त-राष्ट्र क्षेत्रीय आयोग। नवीन अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के विकास, मानव-अधिकारों को प्रथम व मानव-कल्याण के विकास में अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका, भारत व विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की भूमिका : संघर्षों व विवादों का समाधान, मानव-अधिकारों को प्रश्रय, विउपनिवेशीकरण, शान्ति-निर्वहन, शस्त्र-नियंत्रण व नाभिकीय परिसीमन।

12. International Organization

Section-A

The General and Basic Assumption of International Organisation Definition, Classification, Extent, Purpose, Powers, Different Approaches to International Organisation; Developments, before the First World War.

The League System.

The League of Nations-Genesis, Nature-Conceptual and Political, Covenant Provisions : Structure and Functions, Political and Security Questions, Economic and Social Cooperation; The league Experiment an Assessment

The Inter War Efforts-The Dumbarton Oaks Conference, Yalta and San Francisco Conference and the genesis of the United Nations.

Section-B

Basic Principles and Major Organs of the United Nations : Need for reforms.
Basic Issues of the United Nations-Membership Issue and Problems of Representation, Voting Rules and Practices, Formal and Informal Character Amendements and Financial Problems. Peaceful settlement of Disputes Procedure and Methods, Collective Security and peace-keeping. Character Provisions and realities, Ce Studies in Collective security and peace-keeping.

Section-C

The legal organisation - Legal Developments before 1945, the charter as in instrument of International Law-Role of International Court of Justice- International Law Commission.
Regional Organisations, Multipurpose Regional Organizations, U.N. Regional Commissions.
Role of International Organisations in the developments of new International Order, promotion of Human Rights, Development of Human Welfare.
India and the various international organisations; India's Role in the United Nations: Resolving, Conflicts and Crises, promotion of Human Rights, decolonization, peace-keeping. Arms Control and Nuclear Proliferation.

Recommended Books:

Appadorai and Arora: India in the World Affairs 1957-58.

Bailey Sydney : The Procedure & the Security Council.

Bailey Sydney : The General Assembly of the UN-A, study of procedure and Practice.

Bannel Roy: International Organisation-Principles & Issues 1977.

Cox Robert (ed.) : Anatomy of influence. Decision-making in international Organisation.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

36

13. दक्षिणी एशिया में शासन व राजनीति

अध्ययन में सम्मिलित देशों में से किसी विशिष्ट देश की राजनीतिक व्यवस्था इन तत्वों की उपस्थिति तथा उनकी तुलनात्मक प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए सामान्यतः अग्रकित बिन्दुओं को सम्मिलित किया जायेगा।

खण्ड-क

राजनीतिक व संविधानिक विकास के प्रमुख सीमा बिन्दु, पारिस्थितिकी व राजनीतिक संज्ञस्कृति : तत्व, प्रकृति व परिवर्तन काक्षेत्र

राजनीतिक व्यवस्थाओं की प्रकृति।

खण्ड-ब

राजनीतिक संस्थाएं व प्रक्रियाएं : राजनीतिक दल, दबाव समूह तथा निर्वाचन, विदेश नीति।

खण्ड : ग

आर्थिक विकास व सामाजिक परिवर्तन, राजनीति का स्वरूप : शैली व निर्धारक तत्व

13. Government and Politics in South Asia

The paper would broadly cover the following topics depending on their Presence in the Political system under study and that also with a comparative relevance.

Section-A

Landmarks in Constitutional and Political development, Ecology and Political culture, Elements, Nature and extent of change.

Nature of political systems.

The outline of the Constitutional frame work.

Section-B

Political Institutions and Processes : Political Parties, Pressure Groups : elections.

Foreign policy.

Section-C

Economic Development and Social Change.

Nature of Politics : Style and Determinants.

Recommended Books:

N. Palmer: Indian Political System

Khalid Bin Sayeed : The Political System of Pakistan.

Howard Wriggins : Ceylon-Dilemmas of a New Nation.

Anirudh Gupta: Politics in Nepal.

Morris Jones : Government and Politics of India.

Karl Von Vorys : Political Development in Pakistan.

Mushtaq Ahmed: Government and Politics of Pakistan.

S. U. Kodikara: Indo-Ceyloie Relation since Independence Colomo, 19 .

V.R. Mehta: Indeology: Modernisation and Politics India.


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

14. भारत में लोक प्रशासन

खण्ड-क

भारतीय प्रशासन का उद्भव एवं विकास, ब्रिटिश प्रभाव व विरासत, सांविधानिक व्यवस्था व भारतीय प्रशासन: संसदीय प्रजातंत्र का कार्य-करण एवं क्षेत्र का विकास, संघवाद।

आर्थिक नियोजन व वित्त आयोग की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में भारतीय प्रशासन, केबिनेट सचिवालय तथा गृह, विदेश व वित्त-मंत्रालयों के आन्तरिक संगठन के विशिष्ट संदर्भ में केन्द्रीय प्रशासन का संगठन व कार्यकरण।

सचिवालय तथा सचिवालय-निदेशालय संबंधों के विशिष्ट संदर्भ में राज्य स्तर पर प्रशासन की रूपरेखा का अध्ययन।

खण्ड-ब

भारत में जिला प्रशासन का विस्तृत अध्ययन, संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी वर्ग की भूमिका, जिला स्तरीय राजस्व प्रशासन, विकास प्रशासन व पंचायती राज: उभरती हुई प्रवृत्तियां।

भारत में सार्वजनिक उद्यमों का प्रशासन: प्रबंधकीय समस्याओं व संभावनाओं के विभिन्न प्रारूपों का विस्तृत अध्ययन।

भारतीय नौकरशाही: प्रवृत्ति व समस्याएं, भर्ती, प्रशिक्षण, सेवा-शर्तें, कार्मिक-नियोक्ता संबंध, सामान्यज्ञाओं व विशेषज्ञों के मध्य संबंध के विशिष्ट संदर्भ में अखिल भारतीय व राज्य सेवाओं की समस्याएं, भारत में प्रशासन पर नियंत्रण: संसदीय, मंत्रीय व न्यायिक, नागरिक व प्रशासन, लोकपाल व लोक आयुक्त की संस्था।

खण्ड : ग

वित्तीय प्रशासन-बजट का निर्माण, बजट की स्वीकृति व बजट का निष्पादन, वित्त पर संसदीय नियंत्रण, भारत का नियंत्रक व महा लेखा परीक्षक, आर्थिक नियोजन व भारतीय प्रशासन: योजना आयोग का संगठन व भूमिका, राष्ट्रीय विकास परिषद की भूमिका, आर्थिक नियोजन की चुनौति के संदर्भ में प्रशासन में सुधार, भारत में प्रशासनिक सुधारों के लिए प्रयास एवं नीति आयोग।

14. Public Administration in India

Section-A

Evolution of Indian Administration; British Influence and its legacy

Constitutional System and Indian Administration : working parliamentary democracy and regional development, Federalism. Indi Administration with social reference to economic planning and role Finance Commission.

Study of organisation and working of the Central Administration with special reference to Cabinet secretariat and working arid internal organisatic of the Ministeries of Home, External Affairs and Finance. Outline study of Administration at the State level with special reference to the Secretariat, Secretarial-Directorate Relationship.

Section-B

A detailed study of District Administration in India, the role of Divisional Commissioner, Collector and other officials, District Level Revenue Administration, Development Administration and Panchayat Raj, The Emerging patterns.

Administration of Public enterprises in India, A detailed study of the various patterns of Management Problems, and prospects.

Indian Bureaucracy: Its nature and problems, recruitment, training, service conditions, employer-employee relations, the problems of All India and State Services with special-reference to relationship between generalist and specialist, Control over Administration in India: Parliamentary, Ministerial and Judicial, citizen and Administration, Institution of Lokpal and Lokayukta.

Section-C

Financial Administration-formulation of budget, approval of budget and execution of budget, Parliamentary control over finance, controller and Auditor General of India.

Economic Planning and Indian Administration: Organization and role of Planning Commission in India, role of National Development Council, Administrative improvement in view of the challenges of economics planning, Efforts for Administrative Reforms in India and NITI Aayog.

Recommended Books:

Ashok Chanda: Indian Administration.

V.A. Pai Panadikar: Personnel System for Development Administration. . A.D. Gorwala: Report on Public Administration (Planning Commission 1951).

Paul H. Appleby: Public Administration in India. Report of Survey.

Paul H: Re-examination of India's Administrative system (Government of India 1956).

S. S. Khera: Gov'rment Business (Asia, 1963).

S.S. Khera : District Administration in India (Asia, 1963).

Bailey. D.H. Police and Political Development in India.

Sharma P.D. Police & Political Development in India.

Sharma P.D. Police & Political Order in India.

Inakshi Chaturvedi : Civil Service under the Indian Constitution.

I.I.P.A. Organistatin of Government of India.

M. Ruthanaswami :Some influences that made the British Admn. System in India.

Dodwell Cambridge History of India.

K. Santhanam : Union-State Relation in India.

Amal Ray : Inter-Government Relations in India.

Ashok Chanda : Federalism in India.

P. Dwarka Dass : Service Role of High Civil Service in India.

N. C. Roy : The Civil Service in India (Calcutta, 1960).

M. Mutallib : The Union Public Service Commission (IIPA, 1967).

Avasthi & Verma: Aspects of Administration, (Allied, 1966).

John B. Monterio : Corruption (Manaktala, Bombay, 1964).

Paul H. Appleby: Public Administration for a Welfare State.

15. भारत में जिला प्रशासन: पंचायतीराज के विशिष्ट संदर्भ में

खण्ड-क

भारत में जिला प्रशासन का उद्विकास, जिला प्रशासन की विशेषताएं और महत्व; प्राचीन काल से लेकर स्वातंत्रोत्तर काल तक पंचायती राज संस्थाओं की उत्पत्ति व उद्विकास; बलवंत राय मेहता समिति का प्रतिवेदन का विभिन्नराज्यां में उसकी क्रियान्विति, विभिन्नराज्यों में पंचायतीराज के विशिष्ट प्रतिमान।

खण्ड-ख

जिला प्रशासन का संगठनात्मक प्रारूप; राजस्व, नियमन व विकास के संदर्भ में जिला कलेक्टर की भूमिका; जिला कलेक्टर का अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों से संबंध; राजस्थान में जिला; खण्ड व ग्राम स्तर पर पंचायतीराज संस्थाओं का संरचनात्मक प्रारूप व कार्यकरण।

जिला स्तर पर नियोजन तंत्र तथा नियोजन प्रक्रिया; जिला स्तर पर जन अभियोगों के निराकरण की व्यवस्था; सेवाओं के स्तर के निर्वाह व कानून व व्यवस्था के निर्वहन में संभागीय आयुक्त की भूमिका; जिला प्रशासन व पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा सम्पन्न की जाने वाली विकास गतिविधियां।

खण्ड-ग

जिला कलेक्टर व पंचायती राज; पंचायती राज व्यवस्था के अधीन सरकारी व गैर-सरकारी तत्वों के मध्य संबंध; पंचायतीराज संस्थाओं की स्वयत्ता व उन पर नियंत्रण, जिला प्रशासन व पंचायतीराज की उभरती प्रवृत्तियां एवं शासकीय योजनाएं। (मनरेगा)

15. District Administration in India with special reference to Panchayati Raj.

Section A

Evolution of District Administration in India; Characteristics and significance of district administration; origin and evolution of Panchayati Raj since ancient are to post-independence; B.R. Mehta Committee report and its implementation in different states; Different models of Panchayati Raj in various states.

Section B

Organisational structure of District administration; Functions and role of District collectors in Revenue; Regulatory and development field; Relationship of District Collector with district level functionaries; Structural patterns and working of Panchayati Raj institutions in Pijasthan at district, block and village levels.

District planning machinery and planning process; Districts Rural Development Agency; Machinery for the redressal of public Grievances at the district; Role of Divisional Commissioner in maintenance of

standards of services, maintenance of law and order, development activities carried out by District Administration Panchayati Raj institution.

Section-C

District collector and Panchayati Raj; official-Non official relationship under Panchayati Raj Systems; Autonomy and control over Panchayati Raj institutions, Problem areas and need for reforms of district administrations and Panchayati Raj institutions; Emerging trends in district administration and Panchayat Raj. Administrative schemes: MGNREGA.

Recommended Books:

M.G. Shukla: Administrative Problems of Public Enterprises in India.

D.R. Gadgil : Planning & Economic Policy in India.

A. Ghosh : New Horizons in Planning.

B. Mukherjee : Community Development in India.

M. Bhattacharya : Municipal Government.

S.S. Khera : District Administration. R.B. Jain and T.N. Chaturvedi : District Administration in India.

A.D. Gorwala : Report on Efficient Conduct of State Enterprises in India.

I.I.P. : Report of Seminar on Administration of State Enterprises.

Malenbaum : Prospects of Indian Development.

Balvant Rai Mehta Committee Report.

Report on the Working of Panchayati Raj in India.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति

खण्ड - क

तुलनात्मक शासन व राजनीति के सिद्धांत के सीमा चिन्ह, प्रकृति व उप-क्षेत्र। तुलनात्मक पद्धति व उसकी अनुप्रयुक्ति। विकासशील क्षेत्रों की राजनीति के अध्ययन के उपागम : (1) ईस्टन की राजनीतिक व्यवस्था (2) ऑमण्ड का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम और (3) राजनीतिक विकास उपागम तथा उसके पक्ष-पोषक।

खण्ड - ख

विकासशील क्षेत्रों की राजनीतिक का समाजशास्त्रीय संदर्भ : विकासशील समाजों में परिवर्तन व आधुनिकीकरण की भूमिका; परिवर्तन तथा उसके माध्यामूत आधुनिकीकरण का संस्थायीकरण; सामाजिक परिवर्तन व राजनीतिक विकास।

खण्ड - ग

राजनैतिक दल; दबाव व हित समूह। राजनीतिक अभिजन: उनकी भर्ती तथा आधुनिकीकरण व राजनीतिक विकास में भूमिका। नौकरशाही: विकास प्रशासन, उत्प्रेरित परिवर्तन की समस्याएँ। सेना व राजनीतिक विकास। राजनीतिक विकास का आर्थिक संदर्भ। राष्ट्रीय पहचान एवं राजनीतिक एकीकरण की समस्या तथा विदेश नीति।

16. Comparative Government and Politics in Countries of the Third World.

Section-A

Landmarks in the Development of the Theory of Comparative Government and Politics—Its nature, and sub-fields. The Comparative Method and its application. Approaches to the study of politics of developing areas (i) Easton's Political approaches (ii) Almond's Structural-Functional analysis and (iii) Political Development framework and its advocates.

Section-B

Sociological context of the politics of developing areas : problem of change and modernization in developing societies role of tradition, ideology and industrialization in change; Institutionalization of change and its media modernization; Social change and Political development.

Section-C

Political parties, pressure and interest groups. Political elite: their recruitment and role in Modernization and Political development. Bureaucracy development administration. Problems of induced change. Military and Political Development. The Economic Context of Political Development. Problem of National Identity and Political Integration and Foreign Policy.

Recommended Books:

Almond and Powell: Comparative Politics, A Development Approach. David B. Apter : The Politics of Modernization.

Joseph La. Palambara and Myron Weinere: Political Parties and Political Development.

Joseph La Palambara (ed): Bureaucracy and Political Development. Lucian W. Pye : Aspects of Political Development.

Gabriel A. Almond and James S. Coleman (Eds.) : The Politics of Developing Area.

Rajni Kothari : Politics in India.

Philip Mason (Ed.) : Unity and Diversity: India and Ceylon.

17. भारत में राज्य-राजनीति

खण्ड-क

पृष्ठभूमि : ब्रिटिश भारत और देशी रियासतों में राष्ट्रवाद व प्रजातंत्र के विकास की प्रवृत्तियाँ; भाषायी राज्य : संरचना, गठन व परिणाम।

खण्ड-ख

राज्यों के शासन का संविधान प्रारूप : राज्यपाल का पद, मुख्यमंत्री व मंत्रिपरिषद, राज्य विधान मण्डल। राजनैतिक दल व आम चुनाव; दलीय गठबंधनों का प्रारूप; आम चुनावों में सफलता व क्षति; राज्यों में नेतृत्व के प्रारूप।

खण्ड-ग

चेम्बर्स ऑफ कामर्स व श्रमिक संघों के विशेष संदर्भ में भारत में प्रमुख दबाव समूह; भारत में जनमत; समाचारपत्रों की भूमिका व प्रभाव, राज्य-राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्र व भाषा की भूमिका

17. State Politics in India.

Section-A

Background : Trend in the growth of Nationalism and Democracy British, India and Princely States; Linguistic States-Structure-Organization and aftermath.

Section-B


Constitutional Framework of Governance of States : Office of the Governor, Chief Minister and council of Ministers, State Legislature; Political Parties and general elections; the pattern of party alliances; gains and short-falls in general elections; Patterns of leadership in states.

Section-C

Major Pressure Groups in India with special reference to Trade Unions
Chambers of Commerce; Public opinion in India; the Media its role and impact; Role of Caste, Religion, Region and language in State Politics.

Recommended Books:

- Iqbal Narain & Other (Eds.) : State Politics in India.
Ganville Austin: The Indian Constitution : Corner Stone of a Nation.
VP. Menon : The Story of the Integration of Indian States.
K. Santhanam : Union-State Relations in India. H.M. Jam: State Governments.
A.R. Desai : Social Background of Indian Nationalism.
Harish Chandra : Bharat main Rajyon ki Rajneeti.
C.H. Phillips (Ed.) : Politics and Society in India.
Rajni Kothari & others : Party System and Election Studies.
R.L. Hardgrave : The Dravidian Movement.
Ramkirshan Nair : How the Communists Came to Power in Kerala.
G.K. Bhargava: After Nehru-India's New Image.
M.A. Jhingiani : Jana Sangh and Swatantra.
E.M.S. Nambodripad : The National Question in Kerala.
L.P. Sinha : The Left in India.
Sission : The Congress Party in Rajasthan.


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति

खण्ड-अ

राष्ट्रीय राजनीतिक दल-उद्भव आम चुनाव कार्यक्रमों का प्रारूप; संरचना और संगठन।
क्षेत्रीय राजनीतिक दल : उद्भव; विगत सोलह आम चुनावों के माध्यम से कार्यक्रमों में परिवर्तन का प्रारूप; संरचना और संगठन एवं निर्वाचन आयोग की बदलती भूमिका

खण्ड - ब

राजनीतिक दल और आम चुनाव; गठबंधनों का प्रारूप; आम चुनावों के माध्यम से दलों की सफलता व क्षति।

खण्ड - स

चैम्बर ऑफ कॉमर्स व श्रम-संगठनों के विशेष संदर्भ में भारत में दबाव सूह; भारत में लोकमत; लोकमत के निर्माण व अभिव्यक्ति में मीडिया की भूमिका।

18. Electoral Politics in India.

Section A

National Political Parties : Origin, the pattern of programmes and general elections; structure and organization and Changing role of Election Commission of India.

Regional Political Parties. Their origin, the change in pattern of their programme through the sixteen general elections-structure and organization.

Section B

Political Parties and general election, the pattern of alignments, gains and shortfalls through the general elections.

Section C

Major pressure groups in India with a special reference to Trade Unions, Chamber of Commerce. Public opinion in India, the role of media in its formation and expression.

Recommended Books:

- Myron Weiner-Party System in India.
- Myron Weiner-Politics of Scarcity.
- Myron Weiner-State Politics in India.
- L.P. Sinha-The Left in India.
- VM. Sirsikar-Political Behaviour in, India.
- R.L. Hargrav-The Dravidian Movement.
- Richard L. Park & Tinker-Leadership and Political Institution in India. .
- S.V Kogekar and Richard L. Park-Reports on the Indian General Elections.
- G.D. Over street & Marshall Windnoller-Communism in India.
- S.L. Popali-National Politics and 1957 Elections in India.
- M. Pattambhiram-General Elections in India, 1967.
- Rajni Kothari-Caste in Indian Politics.
- Rajni Kothari-Politics in India-
- Subhash C. Kashyap-Politics of Defection.
- Ramdas G. Bhjatkal (Ed.)-Political Alternatives in India.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

19. राजनीतिक समाजशास्त्र

खण्ड - क

राजनीतिक समाजशास्त्र का परिचय: राजनीति के सामाजिक आधार के अध्ययन के रूप में राजनीतिक समाजशास्त्र, राजनीतिक समाजशास्त्र का विकास, राजनीतिक व्यवहार के विश्लेषण के लिए प्रतिमान। मानकात्मक उपागम, व्यवस्था उपागम।

खण्ड - ख

पारसन्स और ईस्टन (सामान्य व्यवस्था सिद्धांत), कार्ल डॉयच (सूचना सिद्धांत), आमण्ड (राजनीतिक संस्कृति), सामाजिक और राजनीतिक संरचना : राजनीतिक-एक सामाजिक उप-व्यवस्था के रूप में; राज-व्यवस्था की संस्थागत अभिव्यक्ति : राज्य, सरकार और राष्ट्र सरकार के प्रकार : पर आधारित प्रारूप और नौकरशाही राजनीतिक व्यवहार : सामाजिक स्तरीकरण और राजनीतिक सहभागिता (अभिजनों के विशेष संदर्भ में), राजनीतिक समाजीकरण, दलीय राजनीति (मिशेल्स, डूवर्जर और डाहल का योगदान), भारत में मतदान, राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन; आधुनिकीकरण : परिभाषा और उपागम (लर्नर, आप्टर, लेवी और हंगिटन के विशेष संदर्भ में भारत में परम्परा और आधुनिकीकरण, संचार और आधुनिकीकरण : संचार, परिभाषा, कार्य और प्रभाव, संचार की कार्यनीतियां, राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकीकरण (भारत के विशेष संदर्भ में))

खण्ड - ग

आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण की प्रविधियां : मानकीय और अनुभवपरक शोध; सर्वेक्षण शोध के तत्व; पेनल अध्ययन; विषय विश्लेषण, गेलप पोल, समुच्चय विश्लेषण; भारत में राजनीतिक समाजशास्त्र; शोध का सर्वेक्षण और नवीन प्रवृत्तियां

19. Political Sociology

Section-A

Introducing Political Sociology : Political Sociology as Study of Social bases of Politics. Growth of Political Sociology. Models for the Analysis of Political Behaviour. Normative Approach, System Approach.

Section-B

Parsons and Easton (General systems), Karl Deutsch (Information theory), Almond (Political Culture) Polity and Social Structure : Polity as a Social Sub-System. institutional manifestations of Polity : State, Government and Nation. Forms of Government: Topology based on Legitimacy Bureaucracy. Political Behaviour.: Social Stratification and Political Participation (with special reference to Elites) : Political

Socialization. Party Politics (contributions of Michels, Duverger and Dahl). Voting in India. Political and Social Change : Modernization : Definition and approaches (esp. Lerner, Apter, Levy and Huntington). Traditional and Modernity in India. Communication and Modernization: Communication, Definition, function and effects, Strategies of Communication. Nation-Building and National Integration (with special reference to India).

Section-C

Methodology of Modern Political Analysis: Normative and Empirical Research. Elements of Survey Research Panel studies. Content Analysis, Gallup Polls aggregate analysis.
Political Sociology in India: Survey of Research and Current Trends.

Recommended Books:

S.M. Lipset: Political Man.

K.W. Deutsch: The Nerves of Government

W.J.M. Mackenzie: Politics and Social Science.

Robert Dahl : Modern Political Analysis.

H. Euler (Ed.) : Political Behaviour.

H. Euler : Behavioural Persuasion in Politics.

Rajni Kothari : Politics in India.

G.E. Almond : Comparative Politics-A Development Approach. .

W. Kohhauser : Politics of Mass Society.

H. Hyman : Political Socialization and Political Development.

D. Lerner : The Passing of Traditional Society.

Rajni Kothari (Ed.) : Caste in Indian Politics.

Marion J. Levy : Modernization and the Structured Societies.

David Apter : The Political of Modernization.

Robert Michels : Political Parties.

Maurice Duverger : Political and Parties.

Eric. A. Hordiner (ed.) : Politics and Society.

T.B. Bottomore : Elites and Society.

L.T. Rudolph & Sussan Rudolph : The Modernity of Tradition.

Owen M. Lynch : The Politics of Untouchability.

Myroni Weinea: Party Politics in India.


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

20. महिला, शासन एवं राजनीति

खण्ड-क

राजनीतिक सिद्धान्त में लैंगिक विषय, सेक्स एवं जेन्डर, समाजवादी, मार्क्सवादी एवं उग्र नारीवाद, नवीन नारीवादी सिद्धान्त। भारत में महिला आन्दोलन का इतिहास।

खण्ड-ख

महिला एवं शासन: शासन एवं लैंगिक (जेन्डर) संरचनाएँ, शासन में लैंगिक विषय एवं सुशासन में महिलाओं की भूमिका। राजनीतिक सहभागिता एवं महिलाएँ: स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की सहभागिता। स्थानीय शासन में लैंगिक अंकेक्षण एवं लैंगिक बजट निर्माण।

खण्ड-ग

महिला एवं राजनीति: संसद एवं विधान सभा में राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लिंग असंतुलन, मतदान व्यवहार एवं चुनाव प्रक्रिया का लैंगिक परिप्रेक्ष्य, राजनीति में महिलाओं की सहभागिता के अवसर एवं बाधाएँ। भारत में महिला एवं आरक्षण।

20. Women, Governance and Politics

Section-A

Issues of Gender in Political Theory, Sex and Gender, Liberal, Socialist, Marxist, Radical Feminism, New Feminist Schools. History of the Women's Movement in India.

Section-B

Women and Governance: Governance and Gender Structures; Gender Issues in Governance and Role of Women for Good Governance; Women's Participation in Local Self Governance; Gender Auditing, and Budgeting in Local Governance.

Section-C

Women and Politics: Gender Imbalance in Political Representation in Parliament and Legislative Assembly; Gender Perspectives of Voting Behaviour and Electoral Process; Opportunities and Constraints to Women's Participation in Politics. Women and Reservation in India.

47

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Recommended Books:

Ambedkar, S. N. and Nagendra, Shilaja, Women Empowerment and Panchayati Raj. Jaipur: ABO Publishers. (2005)

Brush, Lisa D., Gender and Governance. New Delhi: Rawat Publications. (2007)

Jha, Ashok Kumar, Women in Panchayat Raj Institutions. New Delhi: Anmol Publications Pvt.Ltd. (2004)

Jha, Deepika, Women in World Politics. New Delhi: Pearl Books. (2010)

Nandal, Roshini, Women Development and Panchayati Raj. Rohtak: Spellbound Publications Pvt. Ltd. (1996)

Saxena, Alka, Role of Women in Reservation Politics. New Delhi: Altar Publishing House. (2011)

Saxena, Alka, Situational Analysis of Women in Politics. New Delhi: Altar Publishing House. (2011)

Saxena, Alka, Women and Political Leadership. New Delhi: Altar Publishing House. (2011)

Panda, Smita Mishra (ed.), Engendering Governance Institutions: State, Market and Civil Society. London: Sage Publications. (2008)

Singh, Narpat, Changing Status of Women. Delhi: Vista International Publishing House. (2008)

Singh, Preeti, Women and Politics Worldwide. New Delhi: Axis Publications. (2010)


Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

48